हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 296 | प्रयागराज, गुरुवार 09 फरवरी , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

पीएम ने कहा था कि 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा', लेकिन उनके एक दोस्त की संपत्ति कुछ ही सालों में 13 गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये हो गयी

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अडाणी समूह को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग की। उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग ले रहे नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने अडाणी समूह से जुड़े आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि एक व्यक्ति की संपत्ति दो–ढाई साल में 12–13 गुना बढ़ कर 12 लाख करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने इतनी तेज गति से संपत्ति बढ़ने पर सवाल करते हुए कहा कि अडाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिए जेपीसी गठित की जानी चाहिए तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो सकेगा। उन्होंने सवाल किया कि सरकार जेपीसी के गठन से क्यों डर रही है? उन्होंने कहा कि लेकिन विपक्ष अपनी इस मांग को नहीं छोड़ने वाला है। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि ''न खाऊंगा न खाने दूंगा, लेकिन उनके एक दोस्त की संपत्ति कुछ ही सालों में 13 गुना बढ़ गई। सभापति जगदीप धनखड़ ने खड़गे से कहा कि वह ऐसा आरोप नहीं लगाएं जिसे वह सत्यापित नहीं कर सकते हैं। धनखड़ ने कहा कि सदन में किसी को भी, किसी भी तरह के आरोप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। खड़गे ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अडाणी समूह को भारी रकम कर्ज के तौर पर दी है और समूह उसी राशि से सार्वजिनक क्षेत्र के उपक्रमों को खरीद रहा है। खड़गे के भाषण के दौरान कई बार सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच टोकाटोकी हुई। खड़गे ने नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता नफरत की बात करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व में हाल में संपन्न ''भारत जोड़ो यात्राश्श का जिक्र करते हुए कहा कि 3600 किलोमीटर लंबी वह यात्रा किसी के खिलाफ नहीं थी बल्कि लोगों के विचारों को सुनने और उनकी बातों से मार्गदर्शन लेने के लिए थी। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार सांसद और मंत्री भी हिंदू–मुस्लिम की बात करते रहते हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेता जाति, धर्म, भाषा आदि के नाम पर नफरत फैलाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे अनुसूचित जाति के लोगों की परेशानी पर ध्यान नहीं देते और उनके घरों में खाना खाकर केवल प्रचार करते हैं। उन्होंने दावा किया कि अनुसूचित जाति के लोगों को मंदिर जाने पर प्रताड़ित करने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर अनुसूचित जाति के सदस्य हिंदू हैं तो उन्हें मंदिर जाने की अनुमति क्यों नहीं होनी चाहिए। खड़गे ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह नफरत फैलाने वाले लोगों को आखिर क्यों नहीं रोकते हैं? इस दौरान सभापति ने खड़गे को आगाह किया कि उन्हें प्रधानमंत्री जैसे पद के लिए चलताऊ शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह सरकार हमेशा चुनावी मोड में रहती है। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि संसद जब चलती है, तब भी प्रधानमंत्री चुनावी रैली करते हैं। उन्होंने कहा कि संसद के सत्र में रहने के दौरान भी प्रधानमंत्री ने उनके संसदीय क्षेत्र गुलबुर्गा में दो–दो बैठकें (सभाएं) कीं। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी सदन में मौजूद थे। खड़गे ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में सरकार बताती है कि वह आगे क्या करेगी और किस ढंग से देश को चलाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपने कार्यों व उपलब्धियों को बताने के बदले पिछली सरकारों के कार्यों का जिक्र कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को गौर करना चाहिए कि 1947 में देश की क्या स्थिति थी और वह 2014 तक कितनी बदली थी। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि दूसरों द्वारा किए गए कार्यों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बुनियाद नहीं होगी तो इमारत कैसे बनेगी। उन्होंने कहा कि लेकिन नींव जमीन के अंदर होती है और बाहर इमारत होती है जिसका उद्घाटन किया जा रहा है। खड़गे ने कहा कि सरकार समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना को खत्म कर रही है और दोषारोपण दूसरों पर कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर जनता ने उनके मन–मुताबिक वोट नहीं दिया, उनकी सरकार नहीं बनाई तो वे विभिन्न सरकारी एजेंसियों का उपयोग कर अपनी सरकार बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सच बोलने वालों को बोलने का मौका नहीं देती, सच लिखने वाले को लिखने का मौका नहीं दिया जाता, सच लिखने वाले पत्रकार को जेल भेज देते हैं और टीवी पर बहस में जो सत्यता की बात करता है, उसे हटा देते हैं।

गुजरात में 5 लोगों पर 3 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मेहसाणा। गुजरात सरकार के तीन इंजीनियरों और दो ठेकेदारों सहित पांच लोगों के खिलाफ तीन करोड़ रुपए की धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है। अभियुक्तों पर सड़कों के निर्माण के लिए नियोजित ठेकेदारों के भुगतान को मंजूरी देने और जारी करने के लिए गुणवत्ता परीक्षण प्रमाण पत्र और प्रयोगशाला अधिकारियों के हस्ताक्षर जाली बनाने के लिए मामला दर्ज किया गया था। मेहसाणा जिला पंचायत के प्रभारी कार्यपालन यंत्री जीआर चौधरी ने मंगलवार रात मेहसाणा पुलिस को दी शिकायत में कहा, वर्ष 2014–15 में मेहसाणा जिला पंचायत के तत्कालीन कार्यपालन यंत्री प्रदीप सांघवी, रमेश पटेल, उपयंत्री विष्णु प्रजापति ठेकेदार ललित लेउवा और आरसी पटेल के साथ मिलीभगत कर मेहसाणा और अहमदाबाद जिलों में खराब गुणवत्ता वाली आरसीसी सड़कों का निर्माण किया और सरकारी खजाने से लगभग 3 करोड़ रुपए की हेराफेरी की।
आरोपियों पर आरसीसी सड़कों के निर्माण में मानकों को बनाए नहीं रखने, प्रयोगशाला गुणवत्ता परीक्षण फर्जी प्रमाण पत्र बनाने और ठेकेदारों के भुगतान को मंजूरी देने और जारी करने के लिए लैब अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया गया है। अधिकारी ने अपनी शिकायत में कहा कि एक सामंतवादी नागरिक ने राज्य सतर्कता आयोग से शिकायत की थी कि लग्नज–खेरवा संपर्क मार्ग, जो सिर्फ चार महीने पहले बनाया गया था, में मानसून से पहले ही दरारें आ गई। इन अधिकारियों और एजेंसियों ने अहमदाबाद ग्रामीण इस्कॉन–अंबली–बोपल सड़क और अंबली गांव की आंतरिक सड़कों और उंझा में भी अन्य सड़कों का निर्माण किया था। सतर्कता आयोग के आदेश पर गुजरात गुणवत्ता नियंत्रण विभाग को मामले की जांच करने के लिए कहा गया था। विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरसीसी सड़क निर्माण के लिए निर्धारित मानकों को पूरा नहीं किया गया था, इस्तेमाल की गई सामग्री घटिया गुणवत्ता की थी, गुजरात इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट और प्रयोगशाला के फर्जी प्रमाणपत्र ठेकेदारों के बिल पास करने के लिए तैयार किए गए थे और भुगतान जारी किए गए थे। आरोपियों पर धोखाधड़ी, लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और धोखाड़ी के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

छावला दुष्कर्म केस में पुनर्विचार याचिका दाखिल, सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की बेंच का किया गठन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2012 के छावला सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले में मौत की सजा पाने वाले तीन दोषियों को बरी करने के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए तीन सदस्यीय पीठ गठित करने पर बुधवार को सहमति जताई। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तीन दोषियों को बरी करने के अदालत के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। मेहता ने कहा कि एक 18 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार किया गया और क्रूरता से उसकी हत्या कर दी गई और अब, मामले के एक आरोपी ने एक ऑटो चालक का गला काट दिया है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश से ओपन कोर्ट में सुनवाई के लिए सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ गठित करने का अनुरोध किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह मामले की जांच के लिए खुद और जस्टिस रवींद्र भट और बेला त्रिवेदी की एक बेंच का गठन करेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह ओपन कोर्ट में सुनवाई के अनुरोध पर भी विचार करेगी। दलील में कहा गया हैरू अदालत के सामने यह लाना महत्वपूर्ण है कि एक आरोपी विनोद ने अपहरण, सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले में बरी होने के बाद लूटपाट का विरोध करने पर एक निर्दोष ऑटो चालक की हत्या कर दी। विनोद को ऑटो चालक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। समीक्षा आवेदन में आगे कहा गया है कि बरी होने के बाद उसके ऊपर हत्या का मामला इस ओर संकेत करता है कि वह आदतन अपराधी है, जिसपर दयाभाव करना व्यर्थ है। आवेदन में मामले में रिकॉर्ड पर अतिरिक्त दस्तावेज रखने की भी मांग की गई है। बता दें, पिछले साल नवंबर में, शीर्ष अदालत ने छावला बलात्कार और हत्या मामले में तीन लोगों को बरी कर दिया था। दिल्ली के उपराज्यपाल (एल–जी) वी.के. सक्सेना ने इस फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर करने की मंजूरी दी थी और पिछले साल दिसंबर में शीर्ष अदालत ने फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया था।

जोशीमठ पर 10 फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठक टली

देहरादून। उत्तराखंड में 10 फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठक टल गई है। अब ये बैठक 15 फरवरी को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैंप कार्यालय में होगी। ये बैठक जोशीमठ आपदा प्रभावितों के पुनर्वास पैकेज पर निर्णय के लिए काफी अहम मानी जा रही है। बैठक स्थगित होने का कारण राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की अंतिम रिपोर्ट में हो रही देरी मानी जा रही है। बता दें कि जोशीमठ के आपदा प्रभावितों की निगाहें प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक पर लगी हैं। इस बैठक में उनके विस्थापन और पुनर्वास पैकेज पर निर्णय होना है। शासन स्तर पर गठित हाईपावर कमेटी ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी। प्रस्ताव के तहत आपदा प्रभावितों के लिए पुनर्वास पैकेज के तीन विकल्प तय किए गए हैं। हालांकि इसके लिए धनराशि का खुलासा नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि सरकार जोशीमठ में तकनीकी जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस रिपोर्ट के आधार पर उसके लिए राहत एवं पुनर्वास पैकेज तय करना सहज हो जाएगा।

कांग्रेस ने पूछा, कैसे अडानी की संपत्ति 50 हजार करोड़ से बढ़कर लाखों करोड़ हो गई

नई दिल्ली। बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में मौजूद रहे। इस दौरान विपक्ष की ओर से चर्चा शुरू करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मलिकार्जुन खरगे ने कहा कि 2014 में एक उद्योगपति की संपत्ति 50 हजार करोड़ रुपए थी लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि दो ही साल में इस उद्योगपति की संपत्ति लाखों करोड़ रुपए बढ़ गई। खरगे ने अदानी का नाम लिए बिना कहा कि पीएम के एक दोस्त की संपत्ति अचानक कई गुना बढ़ गई। इसके जवाब में तुरंत नेता सदन केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह बिना आधार के आरोप लगाए जा रहे हैं। पीयूष गोयल ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह अपने नेता की संपत्ति देख लें कि 2014 में कितनी थी और आज वह संपत्ति कितनी बढ़ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस उद्योगपति को सरकार से प्रोत्साहन व समर्थन मिला है, सरकारी बैंकों से उसे काफी रकम मिली है। खड़गे ने कहा गुजरात में 31 पैसे का कर्ज बकाया होने पर एक किसान को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट नहीं मिला, लेकिन उद्योगपतियों के हजारों करोड़ रुपए माफ किए गए। एयरपोर्ट, कोल, रोड, सीमेंट एक व्यक्ति को मिल रहा है और उसको यह खरीदने के लिए पैसा भी सरकारी बैंकों से उपलब्ध हो रहा है। खरगे ने कहा कि मैं राष्ट्रपति को उनके अभिभाषण के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे ऐसी उम्मीद थी कि राष्ट्रपति दबाव बनाकर समाज के सबसे कमजोर वर्गों के लिए अपने अभिभाषण में कुछ बातें शामिल करवाएंगी लेकिन मुझे निराशा हुई। खरगे ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में नीतियों की चर्चा होती है कि किन नीतियों के आधार पर हम, कैसे हम देश को चलाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं था। उन्होंने अपनी सरकार की कुछ उपलब्धियां बताई और बाकी पिछली सरकारों की खामियां गिनाई। खड़गे ने कांग्रेस के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश के विकास में बुनियाद के पत्थर डाले हैं लेकिन आज वह पत्थर नहीं दिखाए जा रहे बल्कि उन पत्थरों की बुनियाद पर बनी इमारतों को दिखाया जा रहा है। खड़गे ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि आने वाला मौसम और भी खराब आने वाला है क्योंकि हमें बात करने नहीं देते अपने मुद्दों को उठाने नहीं देते। खरगे ने कहा कि मैं देखता हूं सदन के भीतर और बाहर भी मंत्री और सत्ता पक्ष के सांसद नफरत की बात ज्यादा करते हैं। ये लोग ज्यादातर सांप्रदायिक और जाति की बातें करते हैं। भारत छोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली, मैं भी उसमें शामिल हुआ। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा किसी के खिलाफ नहीं है। 3600 किलोमीटर चलना और लोगो के विचार को सुनना और लोगों ने जो कहा उससे आगे के लिए मार्गदर्शन लेना यह यात्रा का उद्देश्य था।

कार्यस्थगन नोटिस अस्वीकार होने के विरोध में आप, बीआरएस, शिवसेना का राज्यसभा से वाकआउट

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप), शिवसेना के ठाकरे गुट और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्यों ने अपने अपने कार्य स्थगन नोटिस सभापति द्वारा अस्वीकार किए जाने के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। उन्होंने सदन को सूचित किया कि उन्हें आप सदस्य संजय सिंह, शिवसेना के संजय राउत और प्रियंका चतुर्वेदी तथा बीआरएस सदस्य के केशव राव ने नियम 267 के तहत नोटिस दिए हैं। उन्होंने बताया कि ये नोटिस नियत कामकाज निलंबित कर अपने अपने मुद्दों पर चर्चा के लिए दिए गए हैं लेकिन आसन द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुरूप न होने की वजह से उन्होंने ये नोटिस अस्वीकार कर दिए हैं। धनखड़ ने कहा ''मैंने इन नोटिस का गहन अध्ययन किया। चारों नोटिस व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाए गए जिसके बाद मैंने इन्हें अस्वीकार कर दिया। सभापति ने मंगलवार को कुछ विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि सदन में व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए और चर्चा की जानी चाहिए। इस पर बीआरएस सदस्य के केशव राव ने आपत्ति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सदन में महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस पर सभापति ने कहा कि वह (राव) जिस तरह आक्रामक मुद्रा में हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। ''मैंने कल जो कहा, शायद आपने उस पर गौर नहीं किया। राव से उनकी सीट पर बैठने का अनुरोध करते हुए धनखड़ ने कहा कि यह सदन में कामकाज का तरीका नहीं है। उन्होंने कहा ''मैंने जो कुछ भी कहा, वह रिकॉर्ड पर है। आप नियम भी देख सकते हैं। यह तरीका नहीं है। मैंने अपनी भावनाएं जाहिर की हैं और यह लाखों लोगों की भावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव का बहिष्कार कर, पहली बार 'गलत इतिहास' बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा ''हम जनता को बहुत गलत संकेत दे रहे हैं। उनकी सहनशक्ति जवाब दे रही है। हर दिन सुबह लोग देखते हैं कि एक रणनीति के तहत सदन में अव्यवस्था बनाई जाती है। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने भी अपने नोटिस का जिक्र करते हुए कहा कि अडाणी समूह से जुड़ा मुद्दा महत्वपूर्ण है और इस पर चर्चा की जानी चाहिए। सभापति ने उन्हें अनुमति नहीं दी और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सदन में आज शून्यकाल तथा प्रश्नकाल नहीं होगा और भोजनावकाश के बिना, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को आगे बढ़ाया जाएगा। इस पर विरोध जताते हुए कुछ विपक्षी सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की।

मोदी ने राहुल गांधी पर बोला हमला, कहा, कितनी समझ है और क्या इरादा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा पहुंच चुके हैं। थोड़ी देर में पीएम मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां पर सभी सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया। यहां पर किसी ने अपने अपने आंकड़े दिए, अपने–अपने तर्क दिए और अपनी रुचि, प्रवशत्ति और प्रकृति के अनुसार अपनी बातें रखीं और इनसभी बातों को गौर से सुनते हैं और उन्हें समझने का प्रयास करते है तो ये भी ध्यान में आता है कि किसकी कितनी क्षमता है, कितनी योग्यता है। कितनी समझ है और किसका क्या इरादा है। ये सारी बातें सामने प्रकट होती हैं और देश इसका मुल्यांकन करता है। लेकिन मैं देख रहा था कि कल कुछ लोगों के भाषण के बाद पूरा इको सिस्टम, समर्थक उछल रहे थे और खुश होकर कहने लगे 'ये हुई ना बात'। ये कहकर कहकर हम दिल को बहला रहे हैं, वो अब चल चुके हैं, वो अब आ रहे हैं। राष्ट्रपति के भाषण पर कुछ लोग कन्नी भी काट गए। कुछ बड़े नेता राष्ट्रपति का अपमान भी कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पूर्ण बहुतम की सरकार राष्ट्रहित में फैसला लेने की ताकत रखती है और हम इस मार्ग से हटने वाले नहीं चलते रहेंगे। इस कोरोना काल में मेड इन इंडिया वैक्सीन तैयार हुई। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाया। भारत ने अपने नागरिकों को मुफ्त वैक्सीन लगाई। इस संकट के समय में हमने जहां जरूरत थी, वहां दवाई भी पहुंचाई। आज विश्व के कई देश भारत का गुणगान कर रहे हैं। इसी संकट काल में एक बात और गौर करने वाली है। आज भारत ने डिजिटल इंडिया ने जिस तरह काम किया है। कोरोना काल में दुनिया के बड़े बड़े देश अपने नागरिकों को सुविधा पहुंचाना चाहते थे। नोट छापते थे, पहुंचाते थे। लेकिन पहुंचता नहीं पाते थे।

राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के तहत कार्रवाई हो, सरकार ने लोकसभा में की मांग

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगाए गए आरोपों की सत्यता को लेकर विवाद लगातार जारी है। बुधवार को सुबह 11 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होते ही केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सदन में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने नोटिस दिए बिना बेबुनियाद और आधारहीन आरोप लगाए हैं जिसे उन्होंने प्रमाणित भी नहीं किया है। जोशी ने राहुल गांधी के भाषण को नियम 353 और 369 का उल्लंघन बताते हुए स्पीकर से तमाम आरोपों को सदन की कार्यवाही से निकालने और विशेषाधिकार के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि उनकी तरफ से विशेषाधिकार का नोटिस भी दिया गया है। केंद्रीय मंत्री की मांग पर कार्रवाई करने का आश्वासन देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस विषय पर वे देख कर (विचार कर) कार्रवाई करेंगे। आपको बता दें कि, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मंगलवार को राहुल गांधी द्वारा सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बिना किसी सबूत और तथ्य के अपमानजनक आरोप लगाने का आरोप लगाते हुए विशेषाधिकार का नोटिस दे रखा है।

सम्पादकीय

तर्कसंगत प्रतिबंध

केंद्र सरकार ने चीनी लिंक वाले सैकड़ों मोबाइल फोन ऐप पर प्रतिबंध लगाकर 'देर आये दुरस्त आये' की कहावत को चरितार्थ किया है। जो इस बात का संकेत भी है कि हमारा निगरानी और नियामक तंत्र मजबूत हुआ है। यह कदम इस बात की आवश्यकता को दर्शाता है कि इस दिशा में आगे भी सजग रहने की जरूरत है। दरअसल, 138 सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले और 94 ऋण देने वाले ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इस बाबत मिली शिकायतों के बाद लिया गया। आरोप है कि इन ऐप के उपयोगकर्ताओं से जबरन वसूली और उनके उत्पीड़न की शिकायत मिल रही थी। जहां एक ओर इन ऐपों के जरिये व्यक्तिगत डेटा में सेंधमारी की जा रही थी, वहीं ऋण वसूली के नाम पर आतंकित भी किया जाता रहा है। ये ऐप नियामक एजेंसियों की जांच के दायरे में थे। दरअसल, ऐसे ऐप्स के जरिये चीनी नागरिकों ने शातिराना अंदाज में अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए भारतीयों को परिचालन की जिम्मेदारी सौंप रखी थी। इनके भारतीय संचालक पैसे की जरूरत वाले लोगों को छोटे ऋण लेने को उकसाते थे और अप्रत्याशित रूप से ब्याज की ऊंची दरें वसूलते थे। इतना ही नहीं, कर्जदारों का मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिये ब्लैकमेल किया जाता था। इतना ही नहीं छेड़छाड़ करके बनायी गई तस्वीरों को कर्ज लेने वालों के रिश्तेदारों व परिचितों को भेजने की धमकी दी जाती थी। उन्हें भद्दे संदेश भी भेजे जा रहे थे। इन ऐप्स के संचालन से जुड़े भारतीय लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। निस्संदेह, भारत आज इंटरनेट के तमाम खिलाड़ियों और उससे जुड़ी नई तकनीक को बाजार में उतारने वाली संस्थाओं के लिए बड़ा बाजार है। वहीं देश में बढ़ता ऑनलाइन लेन–देन साइबर अपराधों और उससे जुड़े सुरक्षा जोखिमों के प्रति संवेदनशील बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की सुरक्षा, गोपनीयता और डेटा से जुड़ी चिंताओं के चलते चीन के ऐप्स संदेह के घेरे में रहे हैं। निस्संदेह, चीन की सीमा पर जारी गतिरोध के बीच भारतीय रणनीतिकारों ने भी इस दिशा में कार्रवाई की जरूरत महसूस की होगी। वर्ष 2020 में विवादित चीनी ऐप टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के भारतीय प्रयासों को पश्चिमी देशों ने साहसिक मिसाल के तौर पर देखा है। तब भी युवाओं में बेहद लोकप्रिय चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के फोन से जानकारी एकत्र करने की बात सामने आई थी। आशंका थी कि चीनी अधिकारी इस संवेदनशील डेटा का उपयोग भारत के खिलाफ कर सकते हैं। देश में साइबर हमलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 में साइबर हमलों की संख्या जहां 3.94 लाख थी, वहीं वर्ष 2021 में इनकी संख्या बढ़कर 14.02 लाख हो गई है। इस दिशा में युद्ध स्तर पर उपाय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। आम लोगों के साथ आधुनिक तकनीक के नाम पर किये जा रहे छल को गंभीरता से लेना चाहिए। आज भारत में जन सुविधाओं के लिये ऐपों के उपयोग में भारी वृद्धि हुई है। लेकिन साथ ही साइबर ठगी के मामलों में तेजी आई है।

क्या पाकिस्तान की दुर्दशा का जिम्मेदार खुद पाकिस्तान है

पाकिस्तान में इमरान सरकार ने पिछले 3 सालों में स्थिति बद से बदतर कर दी थी। मुद्रास्फीति और महंगाई चरम सीमा पर है चावल, गेहूं ,आटा ,शक्कर और फलों के दाम आम नागरिकों की पहुंच से बाहर हो चुके है। फलों के दामों में आग लगी हुई है। इसके अलावा पेट्रोल–डीजल के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी ने शाहबाज सरकार को आलोचना का बड़ा शिकार बना दिया है। इमरान सरकार के हटने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि शाहबाज शरीफ की सरकार और उनके भानुमति के कुनबे को कुछ अक्ल आएगी, किंतु यह सरकार तो इमरान सरकार से भी गई गुजरी दिखाई देने लगी है। पाकिस्तान सरकार के पास रोजमर्रा का खर्च चलाने के लिए पैसे नहीं है उनका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में बैलेंस कुछ अरब डॉलर का ही रह गया है। बलूची आतंकवादियों द्वारा कराची में बम विस्फोट के कारण चीनी नागरिकों की मौत से चीन सरकार पाकिस्तानी सरकार से काफी नाराज चल रही है और उसने अपनी सहायता रोक दी है, शहबाज शरीफ चीनी नागरिकों की सुरक्षा को हर संभव प्राथमिकता देने के बाद भी चीनी सरकार का गुस्सा खत्म नहीं हो रहा है, उसने तक तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान को सारी सहायता रोक दी और अपनी सारी परियोजनाओं पर काम करना बंद कर दिया है। इसके अलावा सऊदी अरब, तुर्की और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी सहायता वर्तमान में रोककर पाकिस्तान की समस्या को दुगना कर दिया है। इसके बाद भी इमरान खान की तरह प्रधानमंत्री शरीफ भी कश्मीरी राग अलाप कर भारत का विरोध लगातार कर रहे हैं। बड़बोले पन की हद तक जाकर उन्होंने ऐलान किया है कि वह अपनी कमीज बेच कर भी आवाम को आटा, शक्कर ,चावल, गेहूं उपलब्ध कराएंगे। पर शायद पाकिस्तान की किस्मत में केवल फटे खाली ही लिखी है, वर्तमान में पाकिस्तान न सिर्फ बिजली संकट से जूझ रहा है बल्कि बिजली संकट के कारण पानी की भी अभूतपूर्व कमी हो गई है इसके अलावा प्राकृतिक रूप से पाकिस्तान के अलग–अलग प्रांतों में गर्मी 50 डिग्री सेल्सियस हो कर कहर ढा रही है, इस कारण अधिकांश क्षेत्रों में सूखा और भुखमरी की स्थिति निर्मित हो गई, सिंध प्रांत के मुख्यमंत्री के सलाहकार मंजूर वासन ने बताया की सिंध में कपास की उपज पानी की कमी तथा गर्मी के कारण सूख चुकी है, इसके अलावा पाकिस्तान में आम काली मिर्च, कपास, चावल, गेहूं और गन्ना उगाया जाता है, जो इस इलाके में गर्मी 50 डिग्री सेल्सियस होने के कारण बर्बाद हो गए हैं वहां त्राहि–त्राहि मची हुई है पूरे खेत सूख कर उत्पादन बर्बाद हो गया, बिजली योजनाएं ठप पड़ी हुई है जिसके कारण वहां के किसान आसमान की तरफ देख रोने और कलपने का काम ही कर रहे हैं। पाकिस्तान को यदि अपनी स्थिति सुधारनी है तो उसके पास एक ही विकल्प है कि वह भारत से दुश्मनी की जिद छोड़ कर व्यापारिक संबंधों के लिए भारत देश से निवेदन करें, भारत ने अनेक देशों की मदद की है और पूर्व में वह पाकिस्तान को कपास तथा गेहूं और चावल निर्यात किया करता था वह भी कम कीमत पर, अब पाकिस्तान श्रीलंका की तरह दिवालियेपन की कगार पर खड़ा है। पाकिस्तान में कृषि उत्पादन, उद्योग उत्पादन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन एकदम शून्य हो गए हैं। पाकिस्तान की स्थिति अफगानिस्तान से कमतर नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी के अनुसार पाकिस्तानी न्यूज मीडिया को इमरान खान के हटने और नई शहबाज शरीफ की सरकार से वैसे भी बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं थी पर वहां का मीडिया पूरी तरह से नाउम्मीद होकर शाहबाज शरीफ के मंत्रिमंडल और मंत्रियों की बखिया उधेड़ने में लगा हुआ है। पाकिस्तान को इस गरीबी और भूखमरी की स्थिति से उबरने के लिए आत्मनिर्भर बनने के लिए कम से कम 5 से 6 साल लगने की आशंका है और इस दौरान यदि वह दिवालिया होता है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। पाकिस्तान के संबंध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, ब्रिटेन, इसराइल, फ्रांस, कनाडा अन्य यूरोपीय देशों के साथ भारत से भी अच्छे नहीं रहे हैं, इन परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र संघ जो कि यूरोपीय देशों के इशारे पर संचालित होता है पाकिस्तान की मदद करने में रुचि लेता नहीं दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान की नई सरकार के सर मुड़ाते ही ओले पड़ने की स्थिति हो गई है। शाहवाज शरीफ को पाकिस्तान की प्रधानमंत्री की कुर्सी बहुत ही संकट के समय मिली है और पाकिस्तान की बीमारी तथा आराजकता की स्थिति को संभालने के लिए प्रधानमंत्री सहवाग शरीफ के पास पर्याप्त अनुभव भी नहीं है इसके अलावा नवाज शरीफ की सलाह इस संकट की स्थिति में किसी काम की भी नहीं रह गई है। ऐसे में पाकिस्तान के सिंध पंजाब और लरकाना जैसे समृद्धि क्षेत्र में भुखमरी जैसी स्थिति से निपटने के लिए कोई उपाय भी शेष नहीं रह गये है। अब पाकिस्तान के पास अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अपने एकमात्र आका चीन तथा हमेशा मदद करने वाला देश सऊदी अरेबिया के पास जाने के अलावा कोई रास्ता शेष नहीं बचा है। पाकिस्तान को अब अपना आतंकवादी दृष्टिकोण बदल कर एक सामान्य राष्ट्र की तरह अपना शासन प्रशासन चलाना चाहिए अन्यथा पाकिस्तान की अस्मिता को नष्ट होने से कोई नहीं रोक सकता है। **–संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवशत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

भूकंप की त्रासदी

जब भी प्रकृति अपना क्रोध दिखाती है तो कहर ढहाए बिना नहीं रहती। चांद और कई अन्य ग्रहों को छू लेने वाला विज्ञान भी प्राकृतिक आपदाओं के सामने विवश है। पिछले कुछ वर्षों में कुदरत के अक्रोश के जो खतरनाक मंजर देखने को मिले हैं उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि प्रकृति मानव के व्यवहार को लेकर काफी नाराज है और वह भूकंप, सुनामी, बाढ़, तूफान आदि के रूप में मानव को अपनी चपेट में ले रही है। उसके सामने हर कोई असहाय दिखाई दे रहा है। तुर्किये, सीरिया, लेबनान और इजरायल चार देशों में आए भूकंप ने पलभर में हजारों लोगों को मौत के आगोश में पहुंचा दिया। पलभर में गगनचुंबी अटालिकाएं, शॉपिंग मॉल, बाजार, घर तबाह हो गए। भोर होने से पहले सो रहे लोगों को पता ही नहीं चला कि आपदा उन पर कहर बरपा चुकी है। अब रह गई उन लोगों की चीत्कार जो या तो घायल हैं या फिर सौभाग्य से भूकंप की चपेट में आने से बच गए। शहर तबाह हो गए। चारों तरफ लाशों का अंबार लगा है। खौफनाक मंजर को देखकर ऐसा लगता है कि मनुष्य में प्राकृतिक आपदाओं से संघर्ष करने का सामर्थ्य नहीं बचा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो आशंका व्यक्त की है कि मृतकों की संख्या 32000 से भी ज्यादा हो सकती है। वर्ष 1939 में तुर्किये में भूकंप आया था लगभग 33 हजार लोग मारे गए थे। वर्ष 1999 में भी तुर्किये में आए भूकंप में 17 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। भूकंप प्रभावित देशों के लोग भूकंप की त्रासदियों को याद कर आंसू बहा रहे हैं। सीरिया के कई शहरों में ऐसे ही दृश्य देखने को मिल रहे हैं। भूकंप की तीव्रता को नापने के लिए विज्ञान ने भले ही यंत्र बना लिए हों। इंसान ने भीषण गर्मी और सर्दी से बचने के लिए भले ही विज्ञान के माध्यम से उपकरण बना लिए हों, लेकिन मानव आज तक प्रकृति के रहस्यों को जान ही नहीं पाया। धरती हिलने या भूकंप के बारे में किंवदंतियां सुनने को मिलती हैं। धार्मिक व्याख्याओं के चलते कभी यह माना जाता है कि धरती सात मुंह वाले नाग के सिर पर टिकी है। जब नाग सिर बदलता है तो धरती हिलती है। कभी यह कहा जाता है कि धरती धर्म की प्रतीक गाय के सींग पर टिकी है, जब गाय सींग बदलती है तो धरती हिलती है। धर्माचार्यों का मानना है कि धरती पर पाप बहुत बढ़ जाता है तो धरती कहर ढाती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी की गहराई में बहुत आग है। तथ्य कोई भी हो ऐसे दैवीय प्रकोप से बचने का कोई साधन नहीं है। भूकंप कहां और कब आएगा वैज्ञानिक इस का आज तक सटीक उत्तर नहीं दे पाये। आज भी भूकंप त्रासदी को देखकर लोग कह रहे हैं कि जनसंख्या के संतुलन को बनाए रखने के लिए प्राकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। संकट की घड़ी में पूरी दुनिया का दायित्व है कि वह मानव की रक्षा के लिए मदद के लिए आगे आये। पूरी दुनिया के अमीर देश संकट की घड़ी में भूकंप प्रभावित तुर्किये और सीरिया के साथ खड़े हैं। भारत ने तुरंत तुर्किये को मदद की पेशकश करते हुए हर संभव मदद का ऐलान किया है। भारत ने तुर्किये को भूकंप राहत सामग्री की पहली खेप भेज दी है जिसमें मेडिकल उपकरण, दवाइयां और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें शामिल हैं। भारत हमेशा दुनिया के हर मंच पर वसुधैव कुटुम्बकम की बात करता है। भले ही तुर्किये अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा हो या फिर कोई और मुद्दा हमेशा भारत के खिलाफ बोलता आया है। वह अपने मित्र पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा दिखाई देता है लेकिन भारत ने मदद कर अपनी नीति साफ कर दी है। अमेरिका, रूस, जर्मनी आदि देशों ने भी तुर्किये में मदद भेजने की बात कही है। यूरोपीय यूनियन, नीदरलैंड और रोमानिया की टीमें मदद के लिए तुर्किये और सीरिया पहुंच चुकी हैं। तुर्किये को आपदा की इस मुश्किल घड़ी में अपने पुराने दुश्मन देशों का साथ भी मिल रहा है। तुर्किये और ग्रीस के बीच सीमा को लेकर सालों से विवाद चलता आ रहा है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक विवाद भी चलता आ रहा है। इसके बावजूद ग्रीस ने तुर्किये की मदद की पेशकश की है। भारत तो इससे पहले भी कई मौकों पर प्राकृतिक आपदा प्रभावित देशों की मदद करता आया है। नेपाल का भूकंप हो या हैती का भूकंप भारत ने दोनों देशों की हर तरह से मदद की है। तुर्किये के राष्ट्रपति ने मदद के लिए भारत का आभार भी जताया है। मानवता के नाते ऐसी आपदाओं में दुनिया एकजुट होकर आपदा प्रभावित लोगों का धैर्य बंधाती है। इस तरह का धैर्य पाकर टूटा हुआ साहस पुनर्जीवित हो उठता है। दुख की घड़ी में ढांढस बंधाना मानवीय चरित्र भी है। आज लोग महसूस कर रहे हैं कि सीरिया में कितना पाप हुआ है या तुर्किये का रवैया क्या है? ऐसी प्राकृतिक आपदाएं संदेश देती हैं कि जब तक जीयो प्रेम से जीयो, मानवता की सीमा में रहो, निर्दोषों के खून बहाने से कुछ हासिल नहीं होगा। प्रकृति कह रही है कि मैं कब कहर बरपा दूं कुछ कहा नहीं जा सकता। प्रकृति का दोहन मत करो। प्रकृति के साथ जीना सीख कर धरती का पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखो। **–आदित्य नारायण**

जज की नियुक्ति पर विवाद

एडवोकेट एलसी विक्टोरिया गौरी आखिरकार मद्रास हाईकोर्ट की जज बन ही गई। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच जजों की नियुक्ति और कोलेजियम के अधिकारों पर चल रही तनातनी के बीच एक नया मसला खड़ा हो गया था, जब कॉलेजियम ने सीनियर एडवोकेट गौरी को मद्रास हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया। कॉलेजियम में भारत के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस के.एम. जोसेफ ने 17 जनवरी को उच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए गौरी और चार अन्य वकीलों के नाम का प्रस्ताव दिया था। अब तक एडवोकेट गौरी मदुरै बेंच में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के तौर पर केंद्र सरकार का पक्ष रखती आ रही थीं। जज के पद पर उनकी नियुक्ति को लेकर मद्रास हाईकोर्ट बार के सदस्य, वकील एन.जी.आर. प्रसाद, आर. वैगई, एस.एस. वासुदेवन, अन्ना मैथ्यू, और डी. नागासैला ने आपत्ति दर्ज करते हुए इस प्रस्ताव को वापस लेने का आग्रह किया था। उनकी नियुक्ति को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई। इन वकीलों का कहना था कि गौरी के श्प्रतिगामी विचारश मूलभूत संवैधानिक मूल्यों के लिए पूरी तरह से विपरीत हैं और उनकी गहरी धार्मिक कट्टरता को दर्शाते हैं जो उन्हें हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए अयोग्य बनाती हैं। वकीलों ने कहा था कि इस तरह की नियुक्तियां न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कम करने का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। इस समय, संस्थान को अपनी प्रशासनिक कार्रवाई से कमजोर होने से बचाने के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं ने एक अपुष्ट अकाउंट से 2019 में किए गए ट्वीट का जिक्र किया था, जिसके मुताबिक विक्टोरिया भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव रही हैं। इसके अलावा विक्टोरिया के दो कथित इंटरव्यू को लेकर भी विरोध दर्ज किया गया, जिनमें उन्होंने मुसलमानों और ईसाई समुदाय के खिलाफ टिप्पणियां की थी। सरल शब्दों में कहें तो भाजपा से संबंध रखने और अल्पसंख्यकों के खिलाफ टिप्पणी करने के आधार पर एल सी विक्टोरिया की जज पद पर नियुक्ति का विरोध किया जा रहा था। क्योंकि इससे भविष्य में पक्षपातरहित न्याय की संभावनाओं के क्षीण होने की आशंका है। विक्टोरिया गौरी की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की गई थी, क्योंकि मंगलवार को सुबह 10.35 पर उन्हें मद्रास हाईकोर्ट में शपथ लेनी थी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई की विशेष बेंच ने इस मामले की सुनवाई की, जबकि तमिलनाडु के रहने वाले जस्टिस सुंदरेश ने गौरी की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम द्वारा परामर्श किए जाने के कारण खुद को अलग कर लिया। 10 बजकर 25 मिनट पर सुनवाई शुरु हुई। इधर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही थी, उधर एलसी विक्टोरिया गौरी ने मद्रास हाईकोर्ट के जज पद पर नियुक्ति की शपथ ली। शीर्ष अदालत में सुनवाई के कुछ ही मिनटों में याचिका को खारिज कर दिया गया। जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि जज के तौर पर कोर्ट से जुड़ने से पहले मेरा भी राजनीतिक बैकग्राउंड रहा है। मैं 20 साल से जज हूं और मेरी राजनीतिक पृष्ठभूमि कभी मेरे रास्ते में नहीं आई। वहीं जस्टिस खन्ना ने कहा कि गौरी की नियुक्ति के संबंध में मुद्दा योग्यता का नहीं बल्कि उपयुक्तता का है। पात्रता पर, एक चुनौती हो सकती है, लेकिन अदालतों को उपयुक्तता में नहीं पड़ना चाहिए अन्यथा पूरी प्रक्रिया गड़बड़ हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अदालत न्यायिक पक्ष पर कॉलेजियम को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का निर्देश नहीं दे सकती है। पीठ ने कहा कि ये नहीं माना जा सकता है कि कॉलेजियम गौरी की राजनीतिक पृष्ठभूमि या उनके आर्टिकल से अवगत नहीं था जो बाद में सार्वजनिक डोमेन में सामने आए। भारत के न्यायिक इतिहास में कई फैसले विवादों के घेरे में आए हैं। सेवानिवृत्ति के बाद न्यायाधीशों का राजनैतिक झुकाव, राज्यसभा की सदस्यता, उत्पीड़न के गंभीर आरोप ऐसे मुद्दों पर भी विवाद खड़े हुए हैं। लेकिन किसी जज की नियुक्ति के फैसले को रद्द करने की मांग कम ही उठी है। 30 साल पहले ऐसा ही एक मामला सामने आया था, जब केएन श्रीवास्तव को गुवाहाटी हाईकोर्ट का जज बनाया गया था और उन्होंने इसकी शपथ भी ले ली थी। लेकिन तब बार के एक वर्ग ने इस नियुक्ति पर इस आधार पर आपत्ति जताई थी कि उन्होंने कभी वकील के रूप में अभ्यास नहीं किया और कभी न्यायिक कार्यालय नहीं संभाला। श्रीवास्तव भ्रष्टाचार के आरोपों में भी फंसे थे। तर्क यह था कि केएन हाईकोर्ट का जज होने के लिए संविधान के अनुच्छेद 217 के तहत निर्धारित मूल योग्यता को पूरा नहीं करते। श्रीवास्तव वास्तव में मिजोरम सरकार के कानून और न्यायिक विभाग में सचिव स्तर के अधिकारी थे और उस क्षमता में कुछ न्यायाधिकरणों और आयोगों के सदस्य थे। सुप्रीम कोर्ट में कुमार पद्म प्रसाद बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य 1992 2 एससीसी 428 नाम से इस मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस कुलदीप सिंह, जस्टिस पीबी सावंत औरजस्टिस एनएम कासलीवाल की तीन जजों की पीठ ने पाया कि श्रीवास्तव कार्यकारी के नियंत्रण में एक पद पर थे और इसलिए यह एक न्यायिक कार्यालय नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने केएन श्रीवास्तव की नियुक्ति गुवाहाटी हाईकोर्ट में जज के रूप में शपथ लेने के बाद भी रद्द कर दी थी। इस असाधारण स्थिति में अदालत ने कहा कि नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति के वारंट के बावजूद उन्हें जज के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता। अभी विक्टोरिया गौरी के मामले में, याचिकाकर्ता 1992 के इस मामले को ही मिसाल बना रहे थे कि न्यायिक हस्तक्षेप के दरवाजे सिर्फ इसलिए बंद नहीं हो जाते हैं क्योंकि जज के लिए नियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया है। हालांकि इस बार नियुक्ति का आदेश वापस नहीं हुआ। संविधान और कानून के विद्यार्थियों के लिए ये दोनों नजीरें आगे भी महत्वपूर्ण रहेंगी। अदालतें तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फैसले करती हैं, जिनमें भावनाओं के पोषण की गुंजाइश नहीं होती। यही वजह है कि कुछ फैसलों से एक वर्ग खुश होता है, दूसरा निराश। न्यायाधीश की आसंदी पर बैठे लोगों के लिए यही बड़ी चुनौती होती है कि वे नीर–क्षीर विवेक करने की क्षमता और पारदर्शी न्याय का पैमाना हर वक्त बनाए रखें। जज विक्टोरिया गौरी पर भी अब यही महती जिम्मेदारी आ गई है। प्रेमचंद के पंच परमेश्वर की तरह कर्तव्य को हर पूर्वाग्रह और राजनीति से परे रखने की जिम्मेदारी।

बात अडानी तक नहीं

विदेशी मीडिया में आ रही प्रतिक्रियाओं पर गौर करें, तो यह साफ है कि वहां सवाल भारत की विनियामक व्यवस्था पर उठाए जा रहे हैं। रेटिंग एजेंसियों की प्रतिक्रिया आ रही प्रतिक्रियाओं को देखते हुए यह साफ है कि ये सवाल और गहराएंगे।बीते 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ अडानी ग्रुप के बारे में रिपोर्ट जारी करने से मची उथल–पुथल अब सिर्फ इसी उद्योग समूह का संकट नहीं रह गई है। बल्कि अब यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विदेशी मीडिया में आ रही प्रतिक्रियाओं पर गौर करें, तो यह साफ है कि वहां सवाल भारत की विनियामक व्यवस्था पर उठाए जा रहे हैं। रेटिंग एजेंसियों की प्रतिक्रिया आने के बाद ये सवाल और गहराएंगे। गौरतलब है कि जहां रेटिंग एजेंसी फिच ने अडानी ग्रुप के बारे में अपना आकलन बदलने की जरूरत अभी नहीं समझी है, वहीं एसएंडपी ने इस ग्रुप की कई कंपनियों की रेटिंग निगेटिव कर दी है, जबकि मूडीज ने कुछ गंभीर टिप्पणियां की हैं। दरअसल, इस प्रकरण में बने भरोसे के संकट के विदेशी निवेशकों खुल कर यह कह रहे हैं कि भारतीय कंपनियों में धन लगाना सुरक्षित नहीं है। अगर इस धारणा को नियंत्रित करने के लिए तुरंत कुछ जरूरी और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो अडानी ग्रुप की कहानी उस नवोदित भारत की कहानी में एक बड़ा छेद बन जाएगी, जिसे दुनिया भर में प्रचारित करने की कोशिश की जाती रही है। चीन से पश्चिमी देशों के बढ़ते टकराव के बीच इस पश्चिमी कारोबारी कहानी को स्वीकार करने की सहज प्रवृत्ति दिखा रहे थे। वे इस बात को नजरअंदाज करने को तैयार थे कि यह इंडिया स्टोरी असल में भारत के सीमित तबकों की समृद्धि की कहानी है, जो दुर्दशा के समुद्र में महज एक द्वीप की तरह हैं। लेकिन धारणा यह बन रही है कि उस द्वीप की चमक भी वास्तविक नहीं है। नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को अगर सचमुच भारत की चिंता है, तो उन्हें इस स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए। यह हैरतअंगेज है कि भाजपा और संघ परिवार के लोग सार्वजनिक चर्चाओं में अडानी ग्रुप के प्रवक्ता की तरह बोलते सुने जा रहे हैं। इससे इस समूह पर उठे सवालों की पारदर्शी जांच और उचित कार्रवाई होने की आशा लगातार कमजोर पड़ रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

रामकृष्ण मिशन के सहयोग से आयोजित हुआ युवा सम्मेलन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। रामकृष्ण मिशन के सहयोग से युवा सम्मेलन का आयोजन मगंलवार को स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान हरीपुर, करौदी कला, सुल्तानपुर में संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 400 छात्र– छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, भाषण व गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को संपूर्णानंद विश्वविद्यालय के प्रो. डॉक्टर मदन मोहन मिश्र व विवेकानंद युवा संघ लखनऊ के विपुल कुमार मिश्र व आयोजक अमरीश मिश्र ने सम्मानित किया।

युवा सम्मेलन में उपस्थित विजय उपाध्याय, राकेश कुमार गुप्ता, शिवप्रताप यादव व विनोद तिवारी ने प्रतिभाग कर रहे युवाओं को संबोधित किया। डॉ. मदन मोहन मिश्र ने कहा कि नौजवान ही देश का भविष्य होते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के द्वारा ही देश व समाज में बड़े–बड़े परिवर्तन हो सकते हैं। डॉ. मिश्र ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को ऊजार्वान व तेजवान बनने की सीख दी। विपुल कुमार मिश्र ने कहा कि श्रीरामकृष्ण मठ युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने के लिए पूरे देश में युवा सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजय उपाध्याय ने शिकागो धर्म संसद पर विस्तार से प्रकाश डाला। अध्यापक राकेश गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की भारत भ्रमण पर चर्चा की। अध्यापक शिव प्रसाद यादव, विनोद तिवारी व अन्य ने भी युवाओं को संबोधित किया। वहीं प्रधानाचार्य शिव कुमार व संचालक आलोक कुमार बब्लू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजक अमरीश मिश्रा ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा प्रदान कर आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में शामिल सौरभ, अजय अग्रहरि, श्रेया मिश्रा, खुशबू कक्षा, अंकित अग्रहरि, संगीत कार्यक्रम में सौरभ, प्रान्शू यादव, रोशनी खरवार का प्रदर्शन सराहनीय रहा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में राकेश कुमार, दीपेश सिंह, महेंद्र कुमार यादव, सुधाकर, मुकुल कुमार, अरविंद निषाद, जयवीर यादव व ऋषि मोदनवाल ने बेहतर प्रस्तुति दी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को तमंचा समेत गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरपालपुर,हरदोई। थाना क्षेत्र के चाऊँपुर गांव में मंगलवार की रात पीआरबी टीम पर दबंगों ने लाठी–डंडों से हमला बोल 2 पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल पुलिस कर्मियों को सीएचसी में भर्ती कराया। पीआरबी के हेड कांस्टेबल की तहरीर पर दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

इटावा जनपद के जसवंत नगर थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर गांव निवासी हेड कांस्टेबल दीप सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि मंगलवार की रात वह अपने कांस्टेबल साथी नौशाद अली के साथ मोर्चा गांव में मारपीट की सूचना पर गए हुए थे।वापस आते समय चाऊंपुर गांव निवासी अरविंद सिंह पुत्र कृष्ण पाल सिंह व वीरू सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह पीआरबी 2755 के आगे खड़े होकर गाली गलौज करने लगे।मना करने पर लाठी–डंडों से हमला बोल दिया।जिसमें दोनो लोग घायल हो गए। पुलिस ने हेड कांस्टेबल दीप सिंह की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जाम से कराह रहा पूरा शहर,नहीं मिल रही निजात

रायबरेली। लाख जतन के बाद भी शहर की ट्राफिक व्यवस्था पटरी पर नहीं आ रही है। बेपटरी हुई यातायात व्यवस्था लोगों के लिए सिरदर्दी का कारण बनी है। बदहाल यातायात व्यवस्था के कारण लोगों का कोई भी काम समय से नहीं हो पाता है। मामला तो कभी–कभी इतनी बिगड़ जाता है कि नौबत मारपीट तक पहुंच जाती है।

जहां देखो वहां अव्यवस्थाओं का नजारा देखने को मिलता है। शहर के हर कोने में दिन भर जाम के हालात बने रहते हैं। शहर के मार्गों पर वाहन चलाना टेढ़ी खीर हो गया है। एक किलोमीटर का रास्ता तय करने के लिए कई स्थानों पर आधा घंटा तक बर्बाद हो रहा है। शहर में लगातार चौपट होती यातायात व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। शहर के डिग्री कॉलेज, कचहरी रोड, दीवानी कचेहरी,बस स्टेशन, घंटाघर, सिविल लाइन चौराहा, सुपर मार्केट, अस्पताल चौराहा में यातायात व्यवस्था सबसे खराब है। यहां पर रोजाना दिन भर जाम रहता है। सड़क पर लगने वाले जाम को यातायात पुलिस द्वारा व्यवस्थित नहीं किया जाता। जिससे लोगों की परेशानी बढ़ जाती हैं। वाहन चालकों की जगह–जगह बेतरतीब पार्किंग से भी समस्या खड़ी हो रही है। व्यस्ततम मार्गों पर वाहन चालक मनमर्जी से वाहन खड़े कर रहे हैं। जिससे मार्गों पर वाहन चलाना मुश्किल होता जा रहा है। इसके बाद भी यातायात पुलिस यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए गौर नहीं किया जा रहा है।दरअसल, यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए गंभीरता से प्रयास नहीं हो रहा है। विभागीय अधिकारी अपने हिसाब से प्लानिंग करते हैं। इसके बाद भी कुछ खास नहीं होता है। यातायात नियमों को कोई मानने वाला नहीं है। यहां के अधिकांश वाहन चालक नियमों की परवाह नहीं करते हैं। शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर शहरवासी आहत हैं। शहर में बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। शहर में समय के साथ आबादी में वृद्धि हुई तो लाजमी है कि वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है।शहर में चलने वाले ई रिक्शा सहित अन्य वाहनों का भी व्यवस्था बिगाड़ने में बड़ा योगदान है।

संक्षिप्त खबरे

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित की गई टीम

हरपालपुर,हरदोई। अरवल थाना क्षेत्र के एक गाँव मे किशोरी की हत्या कर शव खेत में फेकने के मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर प्रेमी समेत चार के खिलाफ हत्या के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।अरवल थाना क्षेत्र के बानामऊ गांव की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी का शव रविवार की रात चौसार गांव के निकट सरसो खेत से बरामद किया गया था।खेत की रखवाली करने गए किसानों ने किशोरी का शव खेत में पड़ा देखा। जिसके बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गयी।किशोरी की गर्दन में दुपट्टा कसा हुआ था।चेहरे व गर्दन पर चोट के निशान भी पाए गए हैं।परिजनों के मुताबिक,विगत 14 जनवरी को कमलेश किशोरी को बहला– फुसलाकर अपने साथ ले गया था।परिजनों की शिकायत पर 18 जनवरी को पुलिस ने बहला–फुसलाकर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज किया था। 22 जनवरी को किशोरी को बरामद कर 30 जनवरी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया था। मृतका के भाई ने बताया कि 1 फरवरी को उसकी बहन फिर से घर से चली गई थी।मामले की शिकायत उन्होंने पुनः पुलिस से की। लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। पॉच दिन बाद उसका शव खेत में पड़ा मिला। अरवल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें किशोरी की हत्या की पुष्टि हुई। बुधवार को पुलिस ने किशोरी के पिता की तहरीर पर बानामऊ गांव निवासी प्रेमी कमलेश पुत्र रामऔतार, कृष्ण कुमार पुत्र राम विलास, गोलू पुत्र रामबरन, नंद कुमार पुत्र रामऔतार के खिलाफ हत्या के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अरवल थानाध्यक्ष छोटे लाल ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई है। आरोपी जल्द गिरफ्तार किए जाएंगे।

किशोर ने खाया जहरीला पदार्थ

ऊंचाहार,रायबरेली । क्षेत्र के पुरबारा गांव में अज्ञात कारणों के चलते किशोर ने जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत नाजुक होने पर उसे सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

मामला मंगलवार देर शाम का है, जहां गाँव निवासी अशोक कुमार के पुत्र अंकुश 17 वर्ष ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई, जानकारी होने पर परिजनों ने उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि किशोर ने जहरीला पदार्थ खाया था, प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

लोक निर्माण मंत्री ने शहीद पथ को एयरपोर्ट से जोड़ने वाले एलीवेटेड फ्लाईओवर का निरीक्षण कर उद्घाटन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद जी ने शहीद पथ को चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने वाले एलीवेटेड फ्लाईओवर का आज निरीक्षण कर कल एलीवेटेड फ्लाईओवर के होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग (प्रथम) नरेंद्र भूषण, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग (द्वितीय) अजय सिंह चौहान, एमडी सेतु निगम राकेश सिंह सहित अन्य एनी सम्बंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

रिजवान की पत्नी,बच्चों और पिता पर विदेशी अधिनियम के तहत धारा बढ़ाई गई

कानपुर। सपा विधायक इरफान सोलंकी और बांग्लादेशी नागरिक डॉक्टर रिजवान मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। वहीं रिजवान की पत्नी हीना,बच्चों और पिता पर विदेशी अधिनियम के तहत धारा बढ़ाई गई है। जाजमऊ की डिफेंस कालोनी निवासी नजीर फातिमा ने सात नवंबर को विधायक इरफान सोलंकी पर घर फूंकने के मामले में उन पर व उनके भाई रिजवान सोलंकी पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

इसके बाद से उन पर पुलिस का कड़ा शिकंजा कसता जा रहा है। वहीं बांग्लादेशी नागरिक के पास से विधायक का लेटर पैड बरामद हुआ था। उसी आधार पर डॉ. रिजवान ने पासपोर्ट, आधार कार्ड, पेनकार्ड, डीएल, निवास प्रमाण पत्र समेत अन्य दस्तावेज बनाए थे। पुलिस ने विधायक के हस्ताक्षर के मिलान के लिए कई नमूने फोरेंसिक लैब भेजे थे।

पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मिल्कीपुर–अयोध्या। इनायत नगर थाने के घुरेहटा गांव में एक किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि शुभम मौर्य 17 वर्ष निवासी ग्राम घुरेहटा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक किशोर व उसका पिता गांव के पूरब स्थित निजी नलकूप पर मंगलवार की रात सो रहे थे। पिता ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब चार बजे पानी पीने उठा था तभी वह कमरे के अंदर गिर गया। पिता ने गांव में लोगों को जानकारी दी। परिजन उसे इलाज के लिए हैरिंग्टनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इनायत नगर एसएचओ अमरजीत सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

युवती के चेहरे पर फेंकी गर्म चाय

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या के नया घाट चौकी के ठीक सामने चाय का ठेला लगाने के लिए दो पक्षों में विवाद हो गया, जिसमें एक पक्ष ने झगड़े के दौरान दूसरे पक्ष की युवती के चेहरे पर गर्म चाय डाल दी। गंभीर रूप से झुलसी युवती को श्रीराम चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया है कि नया घाट चौकी प्रभारी दुकान लगाने के नाम पर पैसे की मांग कर रहे थे। नहीं देने पर उसके बेटे को मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहे थे।

सांडी पुलिस ने युवक की हत्या का किया खुलासा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

हरदोई। एक सप्ताह पूर्व हुई युवक की नृशंस हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है।युवक की हत्या अवैध संबंधों के शक में की गई थी।आरोपी को अपनी पत्नी के साथ मृतक से अवैध संबंध होने का शक था। लिहाजा समुदाय विशेष के युवक ने नशे की हालत में पत्थर से कूच कर उसकी निर्मम हत्या कर दी थी।पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसे आला कत्ल के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजकर पूरे मामले का खुलासा किया है।पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी के अनुसार,हरदोई जिले के कोतवाली सांडी इलाके की पुलिस ने एक सप्ताह पूर्व धोन्धी गांव के रहने वाले अतुल द्विवेदी की हत्या के आरोप में उसके समुदाय विशेष के दोस्त रिजवान को गिरफ्तार किया है।दरअसल विगत 1 जनवरी को सखेड़ा गांव के बाहर सरसों के खेत में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला था।जिसकी शिनाख्त अतुल द्विवेदी पुत्र सत्य प्रकाश द्विवेदी निवासी धोन्धी थाना सांडी के रूप में की गई थी। हत्या की वारदात के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक ने 3 टीम गठित की थी।इस मामले में शक के आधार पर पुलिस ने रिजवान को हिरासत में लिया तो उसने पूरा राजफास कर दिया।पुलिस के मुताबिक, रिजवान ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसको अतुल द्विवेदी पर अपनी पत्नी के साथ अवैध संबंध होने का शक था।जिसके चलते उसने अतुल को उसके घर से मोटरसाइकिल पर बैठाकर सखेड़ा गांव लाया और मोटरसाइकिल को अपने घर में खड़ी कर अतुल को नशा कराने के बहाने अपने खेत पर ले गया, जहां उसने अतुल को अत्यधिक गांजा पिलाया। जब अतुल पूरी तरीके से नशे में हो गया तो सरसों के खेत में ले जाकर उसके सिर पर पत्थरों से वारकर उसकी निर्मम हत्या कर दी।हत्या के बाद अतुल का पैंट और पत्थर को उसने झाड़ियों में छिपा दिया।पुलिस ने अभियुक्त रिजवान की निशानदेही पर आला कत्ल बरामद कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रिश्ते में चाचा लगने वाले युवक पर शादी करने का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का लगाया आरोप

कानपुर। बिधनू के एक गांव में अपने मामा के यहां रह रही युवती ने गांव के रहने वाले चाचा पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। युवती ने पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि जब उसने शादी के लिए कहा तो युवक ने इंकार कर दिया। जिस पर उसने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है।कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में मामा के यहां पर रह रही युवती ने बिधनू थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया कि गांव निवासी रिश्ते में चाचा लगने वाले युवक ने उससे शादी करने का झांसा देकर अपने साथ कानपुर के घंटाघर ले गया। जहां पर उसने एक कमरे में पांच दिन तक युवती को रखा करके शारीरिक संबंध बनाया। जिसके बाद युवक उसे बर्रा स्थित एक कमरे पर ले गया।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत

पुरवा–उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में एक बाइक चालक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जिसमें एक की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। असोहा थाना अंतर्गत जोरावरगंज निवासिनी छेदाना अपने नाती आसू व बहू श्रीमती के साथ मिर्री कला रिस्तेदारी गई थी। वहां से बुधवार दोपहर लगभग 12 बजे वापस घर जा रही थी कि तभी पुरवा लालाखेड़ा मार्ग पर पड़वा खेड़ा पावर हाउस के समीप सामने से आ रहे बाइक सवार बनिगांव थाना पुरवा निवासी सत्येंद्र सिंह से सीधी भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों बाइक चालक व बाइक सवार गिर गए। बाइक से गिरे आसू तथा छेदाना का पैर टूट गया तो वहीं श्रीमती के सिर में गंभीर चोट लगी। दुर्घटना की सूचना राहगीरों ने स्थानीय थाने को देते हुए एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस घायलों को लेकर स्वास्थ्य केंद्र असोहा लाई जहां चिकित्सकों ने सत्येंद्र 30 को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल श्रीमती की हालत नाजुक देखते हुए ट्रामा सेंटर लखनऊ रिफर कर दिया गया और अन्य घायलों आसू एवं छेदाना को जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी तथा शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा। मृतक सत्येन्द्र तीन भाइयों राघवेंद्र, सर्वेंद्र में दूसरे नंबर का था। मृतक के दो बच्चे सक्षम 5 वर्ष एवं श्रेया 2 वर्ष हैं। मृतक की पत्नी पूजा व परिजनों का रो–रो बुरा हाल था। थाना प्रभारी असोहा सुरेश सिंह ने बताया कि बाइक दुर्घटना में मृतक सत्येन्द्र सिंह के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

देश की बदहाल व्यवस्था को लेकर छेडा जायेगा विशाल व निर्णायक आन्दोलन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर नगर। राष्ट्रवादी किसान, मजूदर, बेरोजगार मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक चंद्रशेखर द्विवेदी ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि जागित आरक्षण विरोधी पार्टी के साथ मिलकर आरक्षण व एससी–एसटी एक्ट के साथ साथ किसानों, मजदूरों व बेरोजगार युवाओं के साथ देश की बदहाल व्यवस्था को लेकर एक विषाल और निर्णायक आन्दोलन छेडा जायेगा, जिसकी तैयारी चल रही है और आगामी लोकसभा चुनाव व्यवस्था परिवर्तन के नारे के साथ लडा जायेगा, जहां आरक्षण विरोधी पार्टी के प्रत्याशी होनें वहां छोडकर हर बाकी सभी जगह नोटा का प्रचार किया जायेगा।चंद्रप्रकाश ने कहा कि आज देश में सरकारी व्यवस्थाओं में आम आदमी की नही सुनी जा रही है, हांथी के दांत दिखाने के और खाने के और है। उन्होने भागवत के बयान को ब्राम्हण विरोधी तथा धर्म व देश के हित में नही बताया, उन्होने कहा इससे भाजपा पार्टी को नुकसान होगा, क्यों कि ब्राम्हण, बनिया और ठाकुर जहां इस देश की व्यवस्था की रीढ है तो वहीं हमारे पिछडे और दलित भाई भी देश की तरक्की में बराबर के हिस्सेदार है। कहा कोई भी व्यक्ति चाहे वह छोटी नौकरी करता हो या छोटा व्यापार उसके द्वारा किया गया हर कार्य देश के विकास में सहयोगी होता है। साथ ही उन्होने सपा नेता स्वामी प्रसाद के बयान की घोर निंदा करते हुए कहा कि इस प्रकार के नेता और उनके बयान अपनी वयमनस्यता पैदा करते है तथा देश को किसी अनहोनी की तरफ धकेलना चाहते है। वर्तमान सरकार ऐसे नेता पर सख्त कार्यवाही करे साथ ही श्रीराम चरित मानस की प्रतियां जलाये जाने पर रोष व्यकत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार का इन दोनो कृत्यों पर चुप्पी साधना समाज के उच्च वर्ग को नीचा दिखाने के बराबर है।

कहा जिनके दम पर देश विकास के नित्य नये आयामों को छूता है उन व्यापारी व उच्च वर्ग को यह पार्टियां वोट पाने का केवल साधन समझती है। कहा कि भाजपा के सामने दो विकल्प है एक यह कि या तो वह संविधान से आरक्षण हटा दे या फिर जातिगण जनगणना करा ले, लेकिन यह कराने का उनका साहस नही है। आज श्रीराम तथा श्रीराम चरित मानस के प्रति जो जानबूझ कर आघात किया जा रहा है उससे देश के सभी वर्गो के जनमानस आहत है।

यात्रा दर्पण पत्रिका का पुनः प्रकाशन जल्द

लखनऊ । उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की मासिक पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 2014 मे प्रारंभ किया था, को पुनः शुरू करने पर परिवहन निगम तेजी से कार्य कर रहा है। जल्द ही यह पत्रिका पाठकों को उपल्ध होगी। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक श्री संजय कुमार ने इस पत्रिका को पुनः शुरू करने के निर्देश दिए हैं।यात्रा दर्पण का प्रकाशन विगत वर्षों मे कोविड–19 के दृष्टिगत प्रकाशन प्रभावित रहा । इस पत्रिका में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा प्रदेश स्तर पर किये जा रहे कार्यों का ब्यौरा रहता है तथा समस्त गतिविधियों का भी विवरण इस पत्रिका में दिया जाता रहा है, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी जानकारी होती रहती है। यात्रा दर्पण पत्रिका में निगम के महत्वपूर्ण सेवाओं से संबंधित जानकारियां यात्रियों हेतु बसों में उपलब्ध कराई जायेगी। प्रबंध निदेशक द्वारा परिवहन निगम में नई ऊर्जा डालने के प्रयासों में यह भी एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस पत्रिका के शुरू होने से परिवहन निगम अधिकारियो, कर्मियों तथा जनसामान्य हेतु निगम की गतिविधियों की सूचनाएं प्राप्त होगीं।

सुलह -समझौता का विरोध करने पर पुलिस ने पीड़िता को पीटा

हरदोई। शहर कोतवाली में पीड़िता की पिटाई का एक मामला सामने आया है। यहां तैनात एक दरोगा और कांस्टेबल पर बेरहमी से पिटाई करते हुए निर्वस्त्र करने का आरोप है। पीड़िता ने एक मामले में न्यायालय की शरण ली थी। न्यायालय के दखल के बाद पुलिस ने पीड़िता को बुलाया। जिसके बाद पुलिस ने सुलह का दबाव बनाया। सुलह न करने पर दरोगा व कांस्टेबल ने पीड़िता की बेरहमी से पिटाई की है।एसपी राजेश द्विवेदी को दिए गए शिकायती पत्र में पीड़िता आरती देवी ने शहर कोतवाली पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि इस दौरान दरोगा शिवकुमार और महिला आरक्षी ने उसके साथ मारपीट करते हुए निर्वस्त्र कर दिया। पीड़िता आरती देवी ने पिता के विरुद्ध मृत दिखाकर कार बेचने के मामले में न्यायालय की शरण ली थी। जिसमें न्यायालय के दखल के बाद पुलिस सक्रिय हुई और पीड़िता को थाने पर बुलाया। जिसके बाद पीड़िता थाने पर पहुंची। जहां शहर कोतवाली में तैनात दरोगा शिवकुमार ने उस से अभद्रता करते हुए सुलह –समझौता का दबाव बनाया। आरोप है कि जिसका विरोध करने पर दरोगा शिवकुमार ने चोटी पकड़कर आरती देवी को गिरा दिया और लात –घूंसो से मारा पीटा। इस के साथ ही पुरुषों के सामने ब्लाउज फाड़ कर निर्वस्त्र कर दिया। उस समय शहर कोतवाली में मौजूद समाजसेवी रीता सिंह ने यह पूरी घटना देखी। जिसके बाद पुलिस ने पीड़िता रीता देती को कोतवाली में बैठा लिया। फिर कुछ देर बाद उसे छोड़ दिया। जिसके बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है। उस ने बताया कि उन्होंने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि पुलिस के मारपीट और अभद्र व्यवहार से पीड़िता काफी परेशान और डरी सहमी हुई है। अपने नए–नए कारनामों से शहर कोतवाली पुलिस वैसे भी सुर्खियों में बनी रहती है। जब इस संबंध में पुलिस अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पीड़िता द्वारा लगाया गया आरोप निराधार हैं। फिर भी मामले में जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नहरों में पानी टेल तक पहुंचाए- स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभाग द्वारा कराये जा रहे परियोजनाओं को प्राथमिकता पर पूर्ण कराएं। उन्होंने परियोजनाओं के कार्यों में गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं किये जाने के भी निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में किसी प्रकार की उदासीनता पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। जो परियोजनाएं लम्बित हो, उनको तत्काल पूरा कराएं। उन्होंने टेण्डर प्रक्रिया को मानक के अनुरूप सम्पन्न कराने के निर्देश दिये।

जलशक्ति मंत्री बुधवार को तेलीबाग स्थित सभागार में सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नहरों की सिल्ट सफाई के कार्यों में लापरवाही न बरती जाय। सिल्ट से निकाली गई मिट्टी का नियमानुसार निस्तारण कराकर धनराशि खजाने में जमा करायी जाय। जहां पर सिल्ट सफाई का कार्य पूर्ण हो चुका है उनके भुगतान की कार्यवाही प्राथमिकता पर कराएं। उन्होंने कहा कि स्वीकृत बाढ़ परियोजनाओं को ससमय पूरा कराएं, ताकि इसका लाभ आम–जनमानस को मिल सके। सभी परियोजनाओं के निगरानी हेतु जूनियर अभियंता साइट पर रात्रि विश्राम करें। उन्होंने कहा सभी प्रोजेक्ट लक्ष्य के अनुरूप पूरा कराएं।

श्री सिंह ने अधिकारियों को निदेश दिये कि समिति का गठन कर विकास परियोजनाओं पर नियमित रूप से निगरानी रखा जाय। सभी अधिकारी विकास कार्यों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग कैसे आगे बढ़े, इस पर ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि किसानों को टेल तक पानी पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को आगे लेकर चलना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि परियोजनाओं में कोई कठिनाई आती हो तो उसे अवगत कराया जाय ताकि उनके समाधान पर विचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित भी किया जायेगा। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नये प्रोजेक्ट नई तकनीकी के बारे में अवगत कराएं। जिन परियोजनाओं पर कार्य चल रहे हैं उसकी प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जन–प्रतिनिधियों के आवेदन पत्र कार्यवाही की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने विभागीय मुकदमें की स्थिति, आईजीआरएस की स्थित, विभागीय अधिकारियों की जांच की स्थिति एवं राज्यमंत्री के पत्रों पर कार्यवाही की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

परिजनों ने चिकित्सकों पर लगाया लापरवाही का आरोप

रूदौली–अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत मखदूमपुर गांव के समीप मंगलवार की रात एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने उसे सीएचसी मवई भेजवाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में विलम्ब किए जाने का आरोप लगाया है। मवई थाना क्षेत्र के बरतरा गांव निवासी हसीन खान उम्र 45 रात्रि को मखदूमपुर में दावत से घर लौट रहे थे तभी पटरंगा थाना क्षेत्र के मखदूमपुर नहर के समीप गड्ढ में बुलेट मोटसाइकिल पलट गई। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।राहगीरों की सूचना पर पहुंची पटरंगा पुलिस ने घायल को सीएचसी मवई भेजवाया। आरोप है कि करीब आधा घंटे बाद डॉक्टर पहुंचे तब तक घायल ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि मृतक के मोबाइल फोन से पता चला कि पटरंगा थानाध्यक्ष नीरज सिंह के प्राइवेट नंबर पर रात 9.20 पर बात हुई थी। उसके बाद भी कई बार फोन किया लेकिन फोन नही उठा। लगभग 12.30 बजे घर वालो को सूचना मिलती है कि हसीन खां का एक्सीडेंट हो गया है।

किसान पर हुए जानलेवा हमले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के चितौरा गांव में बीते रविवार की रात खेत की रखवाली कर रहे किसान रजा बहादुर सिंह पर गोलियों से फायर झोंकने वाले गांव के ही आजाद सिंह पुत्र राज बक्श सिंह व एक अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने रजा बहादुर सिंह की तहरीर पर धारा 307, 504 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वही गोलियों से घायल किसान का अभी भी उपचार अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को चितौरा गांव निवासी रजा बहादुर सिंह उम्र 45 वर्ष पुत्र अभय राज सिंह गांव के पूरब अपने खेत की रखवाली करने गए थे जहां पर हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। गोली किसान के हाथ और पीठ में लगी थी।जिससे वह लहूलुहान होकर गिर गया। गोली की आवाज सुनकर पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां अभी भी इलाज चल रहा है। गोली लगने से घायल कृषक राज बहादुर सिंह ने खंडासा पुलिस को लिखित तहरीर देकर अवगत कराया है कि गांव की एक युवती से लगभग 10 वर्ष पूर्व कोर्ट मैरिज किया हुआ था दोनों लोग साथ रह रहे थे। इसी बीच उस युवती का एक बैंक भिटरिया जिला बाराबंकी में चयन हो गया। उसी बैंक के किसी कर्मचारी से उसका संबंध हो गया जिसके चलते वह उसी कर्मचारी से विवाह कर लिया। जब पीड़ित किसान रजा बहादुर ने इसका विरोध किया तो युवती ने कहा कि तुम हमारे बीच में ना आओ नहीं तो तुमको गोली मरवा देंगे। शनिवार की रात किसान रजा बहादुर सिंह अपने गांव के बगल अपने ट्यूबेल पर अपना खेत देखने गया था उसी बीच काली मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति जिसमें आजाद सिंह पुत्र राज बक्श सिंह व एक अन्य व्यक्ति जिसे पीड़ित पहचान नहीं सका वे लोग भद्दी भद्दी गालियां देते हुए कहा कि शादी का भूत चढ़ा है लो तुम्हारी शादी करवा देते हैं इतना कहते हुए फायर कर दिया था।

नायब तहसीलदार मऊ की खुली पोल: दहेज लोभी है घासीराम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सिद्धगोपाल अहिरवार ने सूबे के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि नायब तहसीलदार मऊ घासीराम ने दहेज के लोभ में उनकी पुत्री अनामिका से तलाक मांग रहा है। उन्होंने घासीराम को नायब तहसीलदार के पद से मुक्त करने की मांग की है।बुधवार को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सिद्धगोपाल अहिरवार ने सूबे के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि उन्होंने अपनी पुत्री अनामिका का विवाह घासीराम पुत्र दिल्लीपत निवासी बसौठ थाना खरेला जिला महोबा के साथ 23 फरवरी 2020 को लखनऊ में किया था।

मौजूदा समय में नायब तहसीलदार के पद पर घासीराम जिले की मऊ तहसील में तैनात हैं। पुत्री की शादी में घासीराम के खुद लिखित आधार पर इच्छित दहेज दिया था। इसके बाद भी घासीराम दहेज की धनराशि से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने पुत्री के साथ मारपीट कर बेईज्जत करते रहे। दो दिसम्बर 2021 को लखनऊ स्थित उनके घर में छोडकर चले गये। अतिरिक्त दहेज देने से मना करने पर घासीराम पुत्री पर अनर्गल झूंठे आरोप लगाकर पारिवारिक न्यायालय में 22 दिसम्बर 2021 को पुत्री से तलाक लेने का मामला दर्ज करा दिया।पुत्री के पिता सिद्धगोपाल ने उसके परिवार के सभी सदस्यों से पुत्री को साथ रखने व मुकदमा वापस लेने का काफी अनुरोध किया। न मानने पर पीजीआई लखनऊ में 13 मार्च 2022 को दहेज एक्ट के तहत मामला दर्ज करा दिया। इस मामले में पुलिस ने घासीराम के खिलाफ चार्जसीट दाखिल कर दी है। दहेज एक्ट का मामला दर्ज होने से बौखलाये नायब तहसीलदार घासीराम ने पद का दुरुपयोग करते हुए धारा 156(3) के तहत 15 सितम्बर 2022 को मऊ थाने में एक बलबा, सरकारी कार्य में दखल, जानलेवा हमला, गाली–गलौज व जान से मारने की धमकी तथा क्षति पहुंचाने का फर्जी मामला दर्ज करा दिया।

इस मामले में अभी विवेचना जारी है। सिद्धगोपाल का दावा है कि मोबाइल फोन से सीडीआर निकालकर उनकी उस दिन की लोकेशन चेक कर ली जाये।

एफआईआर में उनके समेत पूरे परिवार को नामजद किया गया है, जबकि उनका पुत्र आशीष पूना महाराष्ट्र में पढ रहा है। घासीराम उनके व परिजनों का सामाजिक, आर्थिक, मानसिक उत्पीडन कर रहा है। इस बाबत उन्होंने सूबे के मुख्यमंत्री समेत राजस्व परिषद आदि को पत्र लिखे हैं।

पत्र में उल्लेख किया है कि एक लोक सेवक के पद पर रहते हुए दहेज लोभी कार्य कर रहा है। घासीराम के खिलाफ विभागीय कार्यवाही न होने से उसके हौसले बुलंद हैं। वह लगातार उनका व परिजनों का उत्पीडन कर रहा है। पीडित ने घासीराम को पद मुक्त करते हुए कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

मेरठ में स्कूल पर दबंगों ने लगाया ताला

मेरठ। बुधवार सुबह लिसाड़ी गेट क्षेत्र में जब शिक्षक और छात्र स्कूल पर पहुंचे तो ताला लगा हुआ था। कुछ लोग अंदर थे, तो कुछ बाहर खड़े थे। स्कूल के बाहर मौजूद लोगों ने शिक्षकों और छात्रों से कहा कि 3 माह की छुट्टी हो गई है। शिक्षकों ने इसकी जानकारी प्रधानाचार्य को दी। मौके पर जमकर हंगामा हुआ। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित भाग गए।देहली गेट थाना क्षेत्र के खैर नगर निवासी जफर मेहंदी का लिसाड़ी गेट क्षेत्र के जाकिर कॉलोनी में न्यूज चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल है। तीन दशक से स्कूल चल रहा है। प्रधानाचार्य तिलक आरा है। बुधवार सुबह जब शिक्षक और छात्र पहुंचे तो स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था। कुछ लोग अंदर बैठे हुए थे, जबकि कुछ लोग बाहर खड़े थे। गेट के बाहर मौजूद लोगों ने शिक्षकों और छात्रों से कहा कि 3 महीने के लिए स्कूल बंद हो गया। शिक्षकों ने इसकी जानकारी प्रधानाचार्य को दी।

प्रधानाचार्य स्कूल पहुंची और दबंगों से ताला खोलने के लिए कहा। इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। प्रधानाचार्य स्कूल संचालक को फोन कर दिया। वह भी मौके पर पहुंच गए और ताला खोलने के लिए कहा।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार कृतसंकल्पित: सूर्य प्रताप शाही

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग उ0प्र0 सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को अखिल भारतीय सरदार पटेल, सेवा संस्थान अलोपीबाग परिसर में 08 फरवरी से 16 फरवरी तक चलने वाले 09 दिवसीय विराट किसान मेले का दीप प्रज्जवलन एवं फीता काटकर शुभारम्भ किया एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए उनकों नमन किया।मंत्री श्री शाही ने किसान मेले में कृषि एवं कृषि से सम्बंधित समस्त विभागों, संस्थायें, कृषि विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के साथ–साथ निजी संस्थाओं द्वारा लगाये गये स्टॉल एवं सजीव प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए योजनाओं एवं उत्पादों के बारे में जानकारी लेते हुए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को इसका अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार तथा इससे होने वाले लाभ के बारे में लोगो को जागरूक कराये जाने के लिए कहा है।

इस अवसर पर मंत्री ने उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में आज किसानों के लिए चलायी जा रही सभी योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ किसानों को मिल रहा है, बिचौलियों का खेल समाप्त हो गया है। सरकार के द्वारा धान की खरीद व्यापक स्तर पर की जा रही है, जिससे किसानों को अपना धान क्रय करने में कोई परेशानी न हो व सारा पैसा उनके खाते में दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार किसानों की उपज का उचित मूल्य उन्हें दे रही है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है और उनका जीवन स्तर ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सरकार दृढ़संकल्पित है।

इस अवसर पर विधायक बारा डॉ0 वाचस्पति, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी और जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर किसान समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह, सरदार पटेल संस्थान के अध्यक्ष बजरंगी सिंह सहित संयुक्त निदेशक कृषि डॉ0 रमेश कुमार मौर्य, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरे

बलात्कार के आरोपी को भेजा गया जेल

घूरपुर (प्रयागराज)। थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी को महीने भर पहले बहला–फुसलाकर एक युवक अपने साथ लेकर फरार हो गया था। युवक के परिजनों पर दबाव डालकर किसी तरह लड़की को बरामद किया गया। इस प्रकरण में थाना घूरपुर में अपहरण बलात्कार एवं पास्को एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया था। उच्च अधिकारियों के निर्देशन में थाना अध्यक्ष घूरपुर अश्विनी कुमार जिसकी तलाश में लगे हुए थे। बुधवार को इरादतगंज रसगुल्ला मंडी से आरोपी युवक हरिओम पटेल पुत्र सुरेश पटेल निवासी बोंगवा इरादतगंज को गिरफ्तार कर लिया गया। बुधवार को विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को जेल भेजा गया।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई भागवत कथा

करछना (प्रयागराज)। क्षेत्र के ताला हथसरा गांव में श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा वाचक स्वामी विनोदानंद जी महाराज ने कहा कि भगवान को प्राप्त करने के लिए धर्म का सहारा लेना चाहिए। किसी जीव की मुक्ति परोपकार और ज्ञान से ही होती है। गरीबों की सेवा और दान पुण्य से ही लोग भगवान के कृपा पात्र बनते हैं। भागवत कथा सुनने के लिए देवता भी लालायित रहते हैं। इसके पूर्व कलश यात्रा निकाली गई जिसमे गाव के सैकडो लोग भागवत भगवान के साथ गाव परिक्रमा की। इस दौरान संदीप शर्मा ने कथावाचक एवं अतिथियों का स्वागत कर प्रसाद का वितरण किया। देर शाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिव प्रसाद शर्मा, राधिका पाल, अमर बहादुर, सागर श्रीवास्तव, अनिकेत, अजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

खाना बनाते समय महिला झुलसी, मौत

नैनी (प्रयागराज)। नैनी थाना क्षेत्र के सब्जीमंडी निकट दाऊद नगर में खाना बनाते समय एक महिला कपड़ों में आग लगने से बुरी तरह झुलस कर मौत का शिकार हो गई। मिली जानकारी के अनुसार चक दाऊद नगर निवासी रंजना देवी पत्नी गुलाब चंद्र आज सुबह घर में खाना बना रही थी इसी दौरान साड़ी में उसके आग लग गई। आस पास के लोग कुछ समझ पाते तब तक वो पूरी तरह से आग में झूलस चुकी थी। आनन फानन में दरवाजा तोड़ कर परिजन भीतर गए। तब तक काफी देर हो चुकी थी, मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

बन्द पडा 10केसी नलकूप किया शिकायत

करछना । विकास खण्ड करछना के कबरा गाव मे स्थित 10केसी नलकूप 12 वर्षो से बन्द पडा है जिससे सैकडो किसानो का सिंचाई प्रभावित है। नलकूप के सहारे किसान अपनी फसलो की सिचाई करते थे लेकिन वर्षो से रिबोर की बाट जोह रहे किसानो मे गहरी नाराजगी व्याप्त है। जिसको लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों जनप्रतिनिधियोऔ से गुहार लगा चुके है किन्तु अबतक रिबोर नही हो सका है।जिसे लेकर गाव के सुभाष चन्द्र तिवारी, सुरेश नारायण तिवारी, जयकृष्ण मिश्र राजू, सतीष चन्द्र तिवारी, रामू पाण्डेय आदि ने मुख्यमत्री पोर्टल पर शिकायत करते हुए समस्या के निस्तारण की माग की है।

शिवम अक्षयवट हास्पिटल द्वारा माघमेला में एक माह का स्वास्थ शिविर संपन्न

नैनी (प्रयागराज)। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष (2022–2023 में) भी पीपुल्स वेलफेयर सोसायटी और शिवम् अक्षयवट हास्पिटल के द्वारा माघ मेला अरैल क्षेत्र (सेक्टर 1ए) में एक माह का निरू शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण और निरूशुल्क दवा वितरण की व्यवस्था की गई। शिविर के समाप्ति पर सोसायटी द्वारा वृहद भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें सच्चा संस्कृत विद्यालय के छात्रों एवं साधु संन्यासियों को धार्मिक पुस्तकें भी भेंट की गई। सोसायटी की सचिव डॉ नम्रता राय ने गरीब महिलाओं को वस्त्र वितरण करते हुए कहा कि सोसायटी स्वास्थ्य सेवा के लिये सदैव तत्पर रहती है और हर वर्ष माघ मेले में निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करती रहेगी। शिविर में हास्पिटल की तरफ से डॉ सी. बी उपाध्याय ने सहयोग किया और रिटायर्ड फार्मासिस्ट टी. एन. सिंह एवं अजय उपाध्याय ने दवा वितरण किया। डॉ आनन्द पाण्डेय ने फिजियोथेरेपी की जानकारी दी, शिविर की व्यवस्था धर्मेंद्र पाण्डेय ने की।

माघ मेले में एक माह चले चिकित्सा एवं योग शिविर का समापन

प्रयागराज। रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट ध्यान योग एंड स्वास्थ्य प्रभा क्लीनिक एवं विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा माघ मेले में एक माह तक चलाए गए निशुल्क चिकित्सा शिविर, योग एवम जागरूकता अभियान जिसमे एड्स, मुख का कैंसर, नशा उन्मूलन तथा कोरोना के प्रति जागरूकता अभियान का समापन आज मेला क्षेत्र में हुआ।यह कैंप 5 जनवरी से 4 फरवरी तक चला। कैंप प्रभारी डॉ. श्रीमती शिशिर उपाध्याय ने बताया कि 1 माह तक अपर संगम मार्ग उत्तरी पट्टी पर चले इस शिविर में चिकित्सकों ने लगभग 3000 मरीजों का इलाज किया गया।डॉ. श्रीमती उपाध्याय ने यह भी बताया कि शिविर के दौरान डॉ. एस. एस. उपाध्याय द्वारा 19 जनवरी से 25 जनवरी सुबह 6:00 से 8रू00 तक विशेष चिकित्सकीय योग भी कराया गया। साथ ही लोगों को शराब एवं तंबाकू के दुष्परिणाम और उससे होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी दी।इस दौरान डॉ एसएस उपाध्याय, डॉ श्रीमती शिशिर उपाध्याय, डॉ प्रेम शंकर पांडे, डॉ जे नाथ, डॉ शंकर मिश्रा, डॉ एसडी दुबे, डॉक्टर एसी दुबे, आलोक पांडे, भानु आदि का शिविर में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी ने दो अस्पतालों पर की कार्रवाई

मेरठ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दो अस्पतालों पर कार्रवाई की है। जिन अस्पतालों पर कार्रवाई की गई है उनमें रतन हॉस्पिटल मवाना और अपेक्स हॉस्पिटल हापुर रोड हैं। सीएमओ ने बताया कि दोनों चिकित्सालयों के विरुद्ध प्राप्त शिकायत में जांच दल गठित कर जांच कराई जा रही है ।

रेपो रेट बढ़ने से टूट जाएगी व्यापारी और आम नागरिक की कमर :सुशांत केसरवानी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज व्यापार मंडल की एक बैठक जिला कार्यलय पृथ्वी गार्डेन पर संरक्षक कृष्ण मोहन गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में जिलाध्यक्ष सुशांत कुमार केसरवानी ने कहा की तथाकथित महंगाई के काबू में आने के बाद भी आरबीआई के द्वारा लगातार रेपो रेट बढ़ाया जा रहा है। जिसका की हम विरोध करते है सरकार को इस विषय में गंभीरता से मंथन करना होगा की आखिर क्यों और कौन सी नीति से चुनावी वर्ष में व्यापारी समाज को परेशान किया जा रहा है। जब ऑनलाइन शॉपिंग और महंगाई से व्यापार कारोबार दिन प्रति दिन गर्त में जाता जा रहा है उस पर से लगातार 6वी बार रेपो रेट बढ़ा कर लोन पर ब्याज बढ़ने से व्यापारियों के साथ आम नागरिक के मासिक बजट पर भी असर पड़ेगा। जिससे उनकी कमर टूट जाएगी और जिसका पुरा असर बाजार पर आएगा।जिला प्रभारी महिला शिखा खन्ना ने कहा की होम लोन ऑटो लोन की ईएमआई बढ़ जाने से घर का बजट गड़बड़ा जाएगा।जिलाध्यक्ष महिला रोशनी अग्रवाल ने कहा की एक तो कमाई कम और ऊपर से ब्याज ज्यादा इससे आर्थिक के साथ साथ मानसिक हालत का भी बुरा प्रभाव गृहस्थी पर पड़ता है।चेयरमैन मनीष कुमार गुप्ता ने कहा की बजट में सरकार के द्वारा किसी भीं प्रकार की कोई भी योजना और नीति व्यापारियों के नही लाई गई ना ही किसी प्रकार का कोई भी लाभ सीधे या परोक्ष रूप से व्यापारियों को दिया गया उसपर लगातार रेपो रेट बढ़ाना यह सरकार द्वारा नाइंसाफी है।बैठक में मुख्य रूप संरक्षक कृष्ण मोहन गुप्त, आनंद जी टंडन, मुसाब खान, प्रशांत पांडे, शिखा रस्तोगी, सुनीता चोपड़ा ,अमन केसरवानी, राजकुमार केसरवानी, मंजू गौतम, मधुमिता नाथ, मोनिका अरोरा, रानी, छाया शुक्ला आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान पर वर्कशॉप का आयोजन

प्रयागराज। बेथनी कान्वेंट स्कूल नैनी प्रयागराज आज में प्रधानाचार्य सिस्टर शमिथा के अध्यक्षता में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2023 के तहत नगर निगम प्रयागराज द्वारा एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसमे नगर निगम के ब्रांड अम्बैसडर ई० संजीव त्रिपाठी तथा अर्चन त्रिपाठी को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया। सर्वप्रथम नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों को बताया गया की कूड़ा कचरा इधर उधर न फेंके बल्कि गीले कचरे को हरे कूड़ेदान में व सूखे कचड़े को नीले कूड़ेदान में तथा सैनेटरी वेस्ट को काले कूड़ेदान में डाले। दैनिक कार्यों के लिये कपड़े के थैले का प्रयोग करे।

गरम ठन्डे खाद्य पदार्थ के लिए प्लास्टिक का प्रयोग कतई न करे। प्लास्टिक का प्रयोग पर्यावरण के लिए हानिकारक है। भविष्य में प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए छात्रों ने संकल्प लिया। साथ ही शपथ भी ग्रहण किया ।

अग्निकांड के शिकार सब्जी फरोसो ने लगाई मदद की गुहार

चित्रकूट। सीतापुर सब्जीमंडी में अग्निकांड के शिकार मूवीन, अफजल अहमद, रिजवान, ईश्वरी प्रसाद वर्मा आदि ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में कहा कि अग्निकांड से उन्हें भारी क्षति पहुंची है।बुधवार को जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में अग्निकांड पीडितों ने कहा कि 17 जनवरी की रात अचानक अग्निकांड से दुकानों को भारी क्षति पहुंची थी। सेब, अनार, आलू, टमाटर, लहसुन, साइकिल समेत तकरीबन एक लाख 90 हजार रुपये का सामान जलकर राख हो गया। किसी का एक लाख, किसी का ढाई लाख, किसी का 40 हजार की क्षति हुई है। उनकी दुकान से रोजीरोटी चलती थी। दुकान में आग लगने से सबकुछ स्वाहा हो गया है। बच्चों की पढाई–लिखाई भी ठप हो गई है। सभी लोग सडक पर आ गये हैं। रोजीरोटी का सहारा छिन जाने से अब सभी लोग बेरोजगार हो गये हैं।

महिलाओं की सुरक्षा विषयक गोष्ठी में समाजसेवी हुए सम्मानित

प्रयागराज। रामबाग एंटी क्राइम एंटी करप्शन के संस्था प्रमुख संस्थापक शैलेंद्र मोहन श्रीवास्तव का प्रयागराज की धरती पर एसी एसी लायंस द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।जूही सेवा संस्थान की अध्यक्षा एवं एंटी क्राइम एंटी करप्शन की मंडल अध्यक्ष जूही श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक गरीब बिटिया की शादी भव्य तरीके से सम्पन कराया गया। इस मौके पर संस्थापक शैलेन्द मोहन का लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज की धरती पर आगमन हुआ और स्वागत का भव्य कार्यक्रम कमला नेहरू मेडिकल इंस्टिट्यूट प्रयागराज के प्रांगण में संपन्न किया गया।इस मौके पर वरिष्ठ डॉक्टर एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ प्रमोद शुक्ला, अवधेश कुमार निषाद, विवेक कुमार श्रीवास्तव, विमल गुप्ता, डॉ श्याम देवप्नोद कुमार जायसवाल, गुफरान खान, अभिषेक श्रीवास्तव, दिनेश यादव, कामिनी गुप्ता, दिनेश यादव, प्रदीप कुमार, विजय रावत, रोहित निषाद,रश्मि जयसवाल, राखी श्रीवास्तव, रतन श्रीवास्तव, सुशांत केसरवानी, कुनाल राजकुमार, रोशनी आदि जैसे तमाम संस्था के लायंस एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

कर्म के संग भक्ति जुड़ सकती है, भाग्य नहीं

बारा। बारा खास में चल रही पंचदिवसीय रामकथा का समापन मंगलवार को हुआ।कथा व्यास श्री काशी नरेशाचार्य जी महाराज ने अंतिम दिवस कर्म और भाग्य की विस्तृत व्याख्या करते हुए कहा कि परमात्मा उन्हीं की सहायता करता है, जो अपनी सहायता स्वयं करता है। यह कर्म की पराकाष्ठा है। जो केवल भाग्यवादी होते हैं वह अक्सर अकर्मण्य होते हैं। करना कुछ नहीं चाहते और भाग्य पर निर्भर रहते हैं। ऐसे लोग असमर्थ और मन से टूटे हुये लोग होते हैं। किन्तु जिन्होनें द्रौपदी को जाना, सुग्रीव को जाना, केवट को जाना, सुदामा को जाना, कबीर और नानक को जाना, श्री कृष्ण और श्री राम को जाना ,वो भाग्यवादी नहीं, अपितु कर्मवादी हुये। कर्म के संग भक्ति जुड़ सकती है, भाग्य नहीं। पीठासीन कथावाचक विवेक कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने बताया कि जब कर्म करोगे और साथ मे ईश्वर एवं गुरु पर भरोसा भी रखोगे तभी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा। तुम सदैव शांतिपूर्वक आनन्दमय जीवन व्यतीत करोगे। कथा आयोजकों में मुन्नीलाल शर्मा एवं रोशनलाल शर्मा ने सभी पधारे हुए भक्तों का आभार जताया।इस दौरान कथा सुनने वालों में शांतिस्वरूप मिश्रा, काशी प्रसाद त्रिपाठी, सुमन्त भार्गव, महेश प्रसाद त्रिपाठी, बहादुर शर्मा, राकेश कुशवाहा, सुबेदार कुशवाहा, हर्षलाल द्विवेदी, शिवकेश शर्मा, विधायक चौहान, रामप्रताप चौहान सहित सैकड़ों महिलाओं सहित भक्तजनों की भारी संख्या उपस्थित रही। मंच संचालन हरिकेश शर्मा ने किया।

शातिर लुटेरे गिरफ्तार, कब्जे से लूटध्चोरी के 02 मोबाइल फोन सहित कुल 08 मो० फोन बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता मऊ। थाना कोपागंज,एसओजी,स्वाटसर्विलांस पुलिस टीम को उस समय अहम सफलता हाथ लगी जब बुधवार को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर काछीकला अण्डरपास के पास से चेकिंग के दौरान दो मोटर साईकिल पर सवार 04 व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया गया तो भागने का प्रयास किये जिस पर मौजूद पुलिस बल द्वारा घेराबंदी कर उक्त चारों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया तथा तलाषी के दौरान उक्त के कब्जे से 08 मोबाईल फोन, 05 हजार रुपये, बैंक पासबुक, एक अदद तमंचा व एक जिंदा कारतूस 315 बोर एवं उक्त दोनों मोटर साईकिलें बरामद हुयी। कड़ाई के साथ पूछताछ के दौरान उक्त द्वारा बताया गयाकि 01 फरवरी को फैजुल्लाहपुर गांव के पास कोपागंज से भातकोल जाने वाली सड़क के किनारे गंगा आईटीआई कालेज के पास करीब रात 09 बजे हम लोग मिलकर एक लड़के से एक मो0 फोन व 10 हजार रुपये छीन लिये थे तथा उसके बाद बापू इण्टर कालेज के पास से एक लड़के की साइकिल में टंगे झोले से एक मोबाइल फोन व पासबुक चुरा लिये थे, लूटी हुयी मोबाइल का लाक न खुलने के कारण रात्रि में झाड़ी में फेंक दिये थे, 06 फरवरी को ग्राम भीरा काली मंदिर के पास एक लावा मोबाईल फोन होम गार्ड से छीन लिये थे। बरामद हीरोस्प्लेंडर प्लस हम चारो मिलकर चुराये थे तथा स्थान का नाम नही जानते हैं तथा नंबर प्लेट बदल कर चला रहे थे। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

झुग्गी बस्तियों की समस्याओं पर माकपा का प्रदर्शन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की शहर लोकल कमेटी के तत्वाधान में आज पत्थर गिरजा के पास स्थित धरनास्थल पर नगर निगम से जुड़ी समस्याओं पर धरना दिया गया तथा जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद जुलूस की शक्ल में नगर निगम जाकर नगर आयुक्त को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया।

धरने के दौरान हुई सभा में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बारिश के मौसम में हर वर्ष सीवर व्यवस्था दुरूस्त न होने के कारण जल भराव की समस्या उठ खड़ी होती है। कई क्षेत्रों में सीवर चोक हो जाने के कारण वहां गंदा पानी भर जाता है। हर साल बघाड़ा, अल्लापुर, राजापुर समेत कछार के क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या आ खड़ी होती है। लगातार आने वाली इस समस्या के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई है। बाढ़ से होने वाले नुक्सान का कोई मुआवजा भी नहीं दिया जाता। कथित 'अवैध' निर्माण के लिए दुकानदारों को तथा आम शहरियों और विशेषकर कि गरीबों के साथ अपराधी जैसा सुलूक किया जाता है, जबकि क्या प्रशासनिक सहमति के बिना ये घर या दुकानें बन सकती थी? क्या कभी किसी अधिकारी पर भी कार्रवाई की गई है? या सारा कानून व्यवस्था केवल गरीबों के लिए है। कहने को सरकार 2022 तक सबको आवास देने जा रही थी, पर यहां तो लोगों को बेघर करने का ही सिलसिला नहीं थम रहा है। इन सवालों पर माकपा लगातार संघर्ष कर रही है तथा जनता को संगठित कर इस संघर्ष को तेज करेगी।प्रदर्शन में माकपा जिला मंत्री अखिल विकल्प, शहर लोकल कमेटी के मंत्री विकास स्वरूप, गायत्री गांगुली, अजीत बहादुर, अविनाश, मंजू, सुजाता, मुन्नी लाल, भूपेन्द्र पाण्डेय, यशवंत, भारत लाल, राजकुमार, आशीष, आशा देवी, शकुंतला, ललिया, स्वाती, रेखा, रीना, मीरा, मुन्नी, जे0बी0 यादव, विमल चौधरी, एस0पी0 शर्मा, चन्द्रमा प्रसाद आदि लोग उपस्थित थे।

पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है नदियों में बालू का खनन

कोरांव। कोरांव पुलिस की मिलीभगत से आधा दर्जन नदियों के घाटों पर अवैध बालू खनन हो रहा है। जिससे बालू लदा ट्रैक्टर दिन–रात फर्राटे मार रहे हैं। जहां एक और सरकार का हर माह लाखों रुपया राजस्व क्षति हो रहा है वहीं दूसरी ओर बालू माफिया एवं पुलिस मालामाल हो रहे हैं। बताया जाता है कि कोरांव थाना क्षेत्र के बेलन नदी के भोगन, खिवली, टुड़ियार बास भगतपुर गलदहवा, देवघाट आदि घाटों पर नाव एवं जेसीबी से नदियों के सीना चीरकर बालू का खनन करके धड़ल्ले से तस्करी हो रही है। स्थानीय कोराव की पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रत्येक नदी के घाटों से पुलिस लाखों का वारा न्यारा करती है। सड़कों पर ट्रैक्टर बिना खन्ना के फर्राटा भर रहे हैं। इतना ही नहीं ट्रैक्टरों पर ओवरलोड बालू लदा रहता है जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। परंतु पुलिस बेपरवाह बनी है। जिले के आला अधिकारियों का आए दिन फरमान होता रहता है कि अवैध खनन में लिप्त पुलिसकर्मी बख्शे नहीं जाएंगे वहीं मुख्यमंत्री अपने भाषण में कहते हैं कि उत्तर प्रदेश को करप्शन मुक्त बनाया जा रहा है परंतु अन्य स्थानों पर जरूर पालन होता होगा। इन सब आदेशों कोराव पुलिस रद्दी की टोकरी में डाल देती है। ग्रामीणों ने जिले के उच्च अधिकारियों का ध्यान कोराव में हो रहे बालू के अवैध खनन की ओर आकृष्ट कराते हुए कोराव पुलिस के खिलाफ कार्यवाही की मांग किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।